मंजिल उठाना	मकान बनाना।
मंजिल भारी होना	यात्रा पूरी करना कठिन होना।
मंजिल मारना	यात्रा पूरी करना। मुश्किल हल होना।
मंफा देना	मांजना। लैस चढ़ाना।
मंडल बांधना	चारों ओर वृत्त की रेखा के रूप में फिरना। चक्कर काटना। चारों ओर घेरना। चारों ओर से छा जाना। अंधेरे का चारों ओर छा जाना।
मंडान बांधना	आयोजन या प्रबन्ध करना।
मंडी लगना	बाजार खुलना। बाजार लगना।
मंत्र मारना	जादू करना।
मकदूर चलना	बस चलना। काबू चलना।
मकदूर से बाहर पांव रखना	सामर्थ्य या योग्यता से बढ़कर काम करना।
मकान हिला देना	बहुत शोरगुल मचाना।
(किसी पर) मक्खियां भिनभिनाना	नितान्त असमर्थ हो जाना। बहुत गंदा होना। अत्यन्त मलिन होना।
मक्खियां मारना	बिलकुल निकम्मा रहना। कुछ न करना।
मक्खी उड़ाना	पनक्कू निकम्मा रहना। कुछ भी काम धंधा न करना।
मक्खी की तरह निकाल देना	त्याज्य या निकृष्ट समझकर बिलकुल अलग कर देना।
मक्खी की तरह फेंक देना	त्याज्य या निकृष्ट समझकर बिलकुल अलग कर देना।
मक्खी छोड़ना हाथी निगलना	छोटे दोष से बचना और बड़ा अपराध करना।
मक्खी पर मक्खी मारना	बेसमझे पूरी नकल करना।
मक्षिका स्थाने मक्षिका	मक्खी पर मक्खी मारना। पूरी और बे सोचे समझे नकल
मगज उड़ना	दुर्गन्ध या शोर के कारण दिमाग खराब होना।
मगज उड़ाना	बहुत बक बक कर तंग करना।
~~मगज के कीड़े उड़ाना~~	~~बकवास से खोपड़ी आ जाना।~~

मगज खाली करना	अत्यधिक दिमाग लड़ाना। सिर खपाना। समझाने के लिए बहुत बकना।
मगज चलना	बहुत अभिमान होना। पागल होना।
मगज पचाना	अत्यधिक दिमाग लड़ाना। सिर खपाना। समझाने के लिए बहुत बकना।
मगज भिन्नाना	दुर्गन्ध या शोर के कारण दिमाग खराब होना।
मग़्ज़ के कीड़े उड़ाना	बकवास से खोपड़ी खा जाना।
मग़्ज़ खा जाना	व्यर्थ बक बक कर तंग करना। बक बक करके खोपड़ी खाली कर देना।
मग़्ज़ खा लेना	व्यर्थ बक बक कर तंग करना। बक बक करके खोपड़ी खाली कर देना।
मग़्ज़ चाट जाना	व्यर्थ बक बक कर तंग करना। बक-बक करके खोपड़ी खाली कर देना।
मग़्ज़ पिलपिला करना	मारकर भरता बना देना।
मच्छर पर तोप लगाना	छोटे आदमी को दबाने, दण्ड देने के लिए भारी तैयारी करना।
मज़्मून बांधना	किसी भाव को गद्य या पद्य में लिखना।
मज़्मून मिलना	दो अलग अलग लेखकों या कवियों के वर्णित विषयों या भावों का मिल जाना।
मज़्मून लड़ना	दो लेखों, रचनाओं के भाव मिल जाना।
मजल मारना	बहुत दूर से पैदल चलकर आना। कोई बड़ा काम करना।
मज़ा आ जाना	परिहास का साधन प्रस्तुत होना। दिल्लगी का सामान होना।
मज़ा उड़ाना	आनन्द लेना। सुख भोगना।
मज़ा किरकिरा होना	आनन्द में विघ्न पड़ना। रंग में भंग होना। बात बिगड़ जाना। कार्य का आनन्द न मिलना।

मज़ा चखना	लुत्फ उठाना। दण्ड, फल भोगना।
मज़ा चखाना	किये का फल चखाना।
मज़ा देखना	दिल्लगी या तमाशा देखना।
मज़ा पड़ना	चस्का लगना। आदत पड़ना।
मज़ा पाना	लुत्फ उठाना। दण्ड, फल भोगना।
मज़ा लूटना	आनन्द लेना। सुख भोगना।
मज़ा लेना	दिल्लगी या तमाशा देखना।
मज़ाक उड़ाना	परिहास करना।
मज़े का	अच्छा। बढ़िया। उत्तम।
मज़े पर आना	अपनी सबसे अच्छी दशा में आना। जोबन पर आना।
मज़े में	आनन्दपूर्वक। बहुत अच्छी तरह। सुख से।
मज़े से	आनन्दपूर्वक। बहुत अच्छी तरह। सुख से।
मझधार में छोड़ना	किसी काम को बीच में ही छोड़ देना। किसी को ऐसी असहाय अवस्था में छोड़ देना कि वह इधर का रहे, न उधर का।
मटकी देना	मटकाना। चमकाना।
मट्टी करना	नाश करना। बिगाड़ना।
मट्टी देना	मुर्दा गाड़ना या दफनाना।
मढ़ आना	घिर आना (जैसे बादलों का)। उ०- राति ह्वै आई चले घर को दसहूं दिस मेघ महा मढ़ि आयै। केशव।
मत उपाना	सम्मति स्थिर करना। उ०- करुना लखि करुनानिधान नै मन यह मती उपायो।
मतरिया बहिनिया करना	मां बहन की गाली देना।
मतलब का यार	अपना भला देखनेवाला। स्वार्थी।

मतलब गांठना	स्वार्थ साधन करना।काम निकालना।प्रयोजन सिद्ध करना
मतलब निकालना	स्वार्थ साधन करना।काम निकालना।प्रयोजन सिद्ध करना
मतलब फौत होना	कार्य नष्ट होना।
मतलब हो जाना	सफल मनोरथ होना।बुरा हाल हो जाना।मर जाना।
मति मारा जाना	बुद्धि भ्रंश होना।अक्ल का मारा जाना।
मत्था टेकना	नमस्कार करना।वंदना करना।
मथानी पड़ना	खलबली मचना।
मथानी बहना	खलबली मचना।उ०- गढ़ ग्वालियर महं वही मथानी। औ कंधार मथा भै पानी। जायसी ।
मद पर आना	उमंग पर आना।कामोन्मत्त होना।गरमाना।युवा होना।
मदद पहुंचना	कुमक पहुंचना।सहायता मिलना।
मदद बांटना	काम पर लगे हुए मजदूरों को मजदूरी बांटना या देना। दैनिक मजदूरी चुकाना।
(किसी में)मन अटकना	प्रीति होना।प्रेम होना।
(किसी पर)मन आना	समझ पड़ना।जंचना।उ०-(क) मंगल मूरति कंचन पत्र की मैन रची मन आवत नीटि है। दास ।(ख) और दीन बा बहु रतन पखाना।सोन रूप जो मनहि न आना। जायसी किसी पर दिल आना।
(किसी से)मन उलझना	प्रीति होना।प्रेम होना।
मन कचोटना	कष्ट,पश्चाताप,वियोग आदि के कारण मन में दु:ख या क्लेश होना।
मन कच्चा करना	दिल छोटा करना।हिम्मत हारना।
मन करना	इच्छा होना।जी चाहना।उ०- मन न मनावन को करै देत रुठाय रुठाय।कौतुक लाग्यो पिय प्रिया खिजहू रिझावति जाय। बिहारी ।
मन कांचा हो	

मन कांचा होना — जी छोटा होना। उत्साह और दृढ़ता न रहना। उ०- समय सुभाव नारि कर सांचा। मंगल महं भय मन अति काचा। तुलसी।

मन का कच्चा — कमजोर दिल का।

मन का खराब होना — मन फिरना। रुष्ट होना। अप्रसन्न होना। रोगी होना। बीमार होना।

मन का ढरकना — मरने के समय गरदन टेढ़ी हो जाना।

मन का ढलकना — मृत्यु के समय गरदन एक ओर झुक जाना।

मन का बूफना — मन मे शांति आना। मन मे धैर्य आना।

मन का मारा — खिन्न हृदय। दुखी चितवाला।

मन का मैला — कपटी। घाती। बुरे दिल का।

मन का हौसला निकालना — इच्छा पूरी ह होना। प्रयत्न कर देखना।

मन की गांठ खोलना — जी खोलकर कोई बात कहना। मन मै कोई बात गुप्त न रखना। अपनी भीतरी इच्छा प्रकट करना। अपना हौसला निकालना। प्र लालसा पूरी करना।

मन की दौड़ — चित की सूफ। कल्पना। उ०- भक्ति रूप भगवंत की भेष जो मन की दौर। कबीर।

मन की थाह — अन्त:करण के गुप्त अभिप्राय की जानकारी। चित की बात का पता। संकल्प या विचार का पता। उ०- कुटिल जनन के मन की मिलत न कबहूं थाह।

मन की मन मै रहना — इच्छा पूरी न होना। मन का चाहा न होना।

मन की मौज — मन की लहर।

मन के लड्डू खाना — ऐसी बात को सोचकर प्रसन्न होना जिसका होना असम्भव या दु:साध्य हो। ख्याली पुलाव पकाना। किसी ऐसे बड़े लाभ की कल्पना व्यर्थ करना जिसका होना बहुत कठिन हो।

मन खोलना — दुराव छोड़ना। निष्कपट होना। शुद्ध हृदय होना।

मन चलना — इच्छा होना।प्रवृत्ति होना।किसी वस्तु के लिए चित्त चंचल होना।जी चाहना।

मन चलाना — इच्छा करना।लालसा करना।

मन चौगुना होना — उत्साह बढ़ना।चित्त और प्रसन्न होना।उ०- विंध्याव तिया सी न देखी कहूं तिया नैन विध्यौ प्रभु पिया देखि कियौ मन चौगुनौ। प्रिया ।

किसी का **मन टटोलना** — किसी के मन की थाह लेना।किसी की इच्छा को जानना। हृदय के भाव का पता लगाना।

मन टूटना — साहस छूटना।हताश होना।उ०- छूटौ निज कर्म नहिं लूटौ सुख जानकी।कौ टूटौ न धनुष टूट गये मन सकब सबके। हनुमन्नाटक। उत्साह न रहना।

मन ठहरना — चित्त स्थिर और शांत होना।चित्त की आकुलता दूर होना।उ०- जबै आऊं साधु संगति कछुक मन ठहराइ। । सूर ।

मन डोलना — (मन का)चलायमान होना।इच्छा होना।ललचाना। लोभ हो आना।

मन डोलाना — मन में चंचलता उत्पन्न करना।मन चलायमान करना। उ०- भोजन करत गह्यौ कर रुक्मिनि सोई देहु जो मन न डोलावै।सूरदास प्रभु जब निधिदाता जापर कृपा सोई जन पावै। सूर ।लालच उत्पन्न करना।लोभ दिलाना।

मन तोड़ना — भग्नोत्साह होना।साहस छोड़ना।उ०- अंग बिनु है सबै नहीं एकौ फबै सुनत देखत जबै कहन लौरे।कहै रसना सुनत श्रवन देखत नयन सूर सब भेद गुनि गुनि मनहि तौरे। सूर ।

मन देना — जी लगाना।मन लगाना।उ०-(क) एक बार जौ मन देइ सेवा।सेवहि फल प्रसन्न होइ देवा। जायसी ।(ख) रघुपति पुरी जनमु तब भयऊ।पुनि तें मन सेवा मम दयऊ। तुलसी ।ध्यान देना।आसक्त होना।मोहित होना।

मन धरना	ध्यान देना। मन लगाना। उ०-(क) त्रास भयो अपराध आप लखि स्तुति करत खरे। सूरदास स्वामी मनमोहन तामें मन धरे। सूर। (ख) जोई भक्त भाजन मन धरै। सोई हरि सों मिलि अनुसरै। लल्लू।
मन फटना	घृणा होना। नफरत होना। चाह-प्रीति न रहना। विरक्ति हो जाना।
मन फिर जाना	घृणा होना। नफरत होना।
मन फिराना	चित्त को हटाना। मन को किसी ओर से अलग करना। प्रवृत्ति बदलना।
मन फेरना	चित्त को हटाना। मन को किसी ओर से अलग करना। प्रवृत्ति बदलना। उ०- फिरि फिरि फेरि फेरि फेर्यो मैं हरी को मन फेरै फिरीपुनि माग की भली घरी। केशव। ध्यान हटाना।
मन बढ़ना	साहस बढ़ना। उत्साह बढ़ना। प्रोत्साहित होना। उ०- सुनि मन धीरज भयल हो रमैया राम। मन बढ़ि रहल लजाय हो रमैया राम। कबीर।
मन बढ़ाना	बढ़ावा देना। साहस दिलाना। उत्साह बढ़ाना। प्रोत्सा-करना। उ०- दियो शिरपाव नृपराउ ने महर को आप पहरावनी सब दिखाए। अतिहि सुख पाइ के लियो सिर नाइ के हरषि नंदराइ के मन बढाए। सूर।
मन बहलाना	खिन्न या दुखी चित्त को किसी काम में लगाकर आनन्दित करना। दुःख छोड़कर आनन्द से समय काटना चित्त प्रसन्न करना। जी बहलाना। उ०- ना किसान अब समाचार तहं आप सुनै हैं। ना नारू की बातें सब को मन बहलै हैं। श्रीधर पाठक।
मन बिगड़ना	मन का हट जाना। मन का उदासीन हो जाना। मतली आना। के मालूम होना। उन्माद होना। पागल होना।
मन बूझना	मन की थाह लेना।

मन भरना — प्रतिति होना। निश्चय या विश्वास होना। सन्तोष होना। तुष्टि होना। तृप्ति होना। सन्देह आदि दूर करके सन्तुष्ट करना। समाधान करना।

मन भाना — भला लगना। पसन्द होना। रूचना। उ०-(क) बामिन को बामदेव कामिनि को कामदेव रण ज्यथंभ रामदेव मन भाये जू। केशव। (ख) कहेहु नीक मोरेहु मन भावा। यह अनुचित नहिं नेवत पठावा। तुलसी। (ग) हरिहर ब्रह्मा के मन भाई। लिपि अक्षर लै युगुति बनाई। कबीर।

मन भारी करना — दुखी होना। उदास होना।

मन मरना — मन में वासना आदि न रह जाना।

मन मसोसना — इच्छा या मनोवृत्ति को बलात् रोकना।

मन मानना — सन्तोष होना। मन में शांति होना। उ०-(क) मधुकर को कहि कैसे मन मानै। जिनके एक अनन्य व्रत सूझै क्यों दूजो उर आनै। सूर। (ख) राजा भा निश्चै मन माना। बांध रतन छौड़ि के आना। जायसी। निश्चय होना। प्रतिति होना। उ०- कै बिनु सपथ न अस मन माना। सपथ बोलु बाचा परमाना। जायसी। अच्छा लगना। रूचना। पसन्द आना। भाना। उ०- सप्त प्रबंध सुभग सोपाना। ज्ञान नयन निरखत मन माना। तुलसी। स्नेह होना। अनुराग होना। उ०- सखी री श्याम सों मन मान्यो। नीके करि चित कमल नैन सों घालि एक ठो सान्यो। सूर। अक्ल ठिकाने लगना।

मन मारना — चित खिन्न होना। उदास होना। उ०-(क) मुख शत्रु थान किन हेरत लखत मोहिं मन मारै। मुनि रिपु पुत्र-वधू किन वैरिन मोको देत सवारै। सूर। (ख) मौन गहौ मन मारे रहौ निज पीतम की कहौ कौन कहानी। प्रताप। इच्छा को दबाना। मन को वश में करना। मनोनिग्रह करना। उ०- मन नहिं मार मना करी सका न पांच प्रहारि। सील सांच सरधा नहीं अजहुं इंद्रि उघारि। कबीर।

मन मारे (हुए) — दुखी। उदास। खिन्न चित। उ०-(क) कहं लगि सहिय रहिय मन मारे। नाथ साथ धनु हाथ हमारे। तुलसी। (ख)

प्रिया वियोग फिरत मारे मन परे सिंधु तट आनि। ता सुंदरि छित मोहिं पठायो सकौ न हौं पहिचानि। सूर । (ग) भवन ही मन मारि बैठी सहज सखी इक आई। देखि तनु अति विरह व्याकुल कहति बचन बनाई। सूर । (घ) उर धरि धीरज गयउ दुवारे। पूछहिं सकल देखि मन मारे। तुलसी ।

मन मिलना	प्रेम होना। अनुराग होना। मित्रता होना। प्रवृत्ति में समानता होना। उ०-(क) मन मिले का मेला। नहीं तो सबसे भला अकेला। (ख) प्रकृति मिले मन मिलत है। वृंद ।
मन मैं आना	मन मैं किसी भाव का उत्पन्न होना। उ०- तासौं उन कटु बचन सुनाये। पै ताके मन कछु न आये। सूर । समझ पड़ना। ध्यान मैं आना। उ०- यह तु तनु क्यों ही दियो न जावे। और देत कछु मन नहिं आवे। सूर । अच्छा जान पड़ना। भला लगना। इच्छा होना।
मन मैं आनना	विचार करना। सोचना। ध्यान देना।
मन मैं गांठ	चित्त मैं बुरा। भाव। द्वेष भाव। बुरा।
मन मैं गांठ पड़ना	आपस के सम्बन्ध मैं भेद पड़ना। मनमोटाव होना। बैर होना। द्वेष होना। उ०-(क) मन को मारो पटकि कै टूक टूक उड़ि जाय। टूटे पाछे फिर जुरै, बीच गांठि पड़ जाय। कबीर । (ख) दृग उरझत टूटत कुटुम जुरत चतुर संग प्रीति। परति गांठ दुरजन हिये दई नई यह रीति। । बिहारी ।
मन मैं गांठ रखना	जी मैं बुरा मानना। बैर मानना।
मन मैं गांस रखना	दिल मैं बैर रखना।
मन मैं घर करना	इतना पसन्द आना कि उसका ध्यान सदा बना रहे। जंचना।
मन मैं चोर बैठना	मन मैं किसी प्रकार का खटका या सन्देह होना। मन मैं दुर्भाव आना।
मन मैं जमना	ठीक जंचना। उचित या युक्तियुक्त प्रतीत होना। विचार मैं आना। ध्यान मैं आना।

मन मैं टांक रखना
स्मरण रखना।याद रखना।

मन मैं ठानना
निश्चय करना।दृढ़ संकल्प करना।

मन मैं धंसना
चित्त मैं प्रभाव उत्पन्न करना।मन मैं निश्चय या विश्वास उत्पन्न करना।हृदय मैं अंकित होना।अच्छा ~~होने लगने के कारण ध्यान मैं बराबर रहना।चित्त से न हटना।~~ध्यान पर बराबर चढ़ा रहना।उ०- मन मंह धंसी मनोहर मूरति टरति नहीं वह टारै। सूर ।

मन मैं धरना
गुप्त रखना।प्रकट न करना।स्मरण रखना।

मन में प्रवेश करना = किसी के मन में कोई बात अच्छी तरह बैठाना।

मन मैं बसना
ध्यान मैं बना रहना।स्मृति मैं रहना।उ०-सीस मुकुट कटि काछनी कर मुरली उर माल।इहिं बानक मो मन बसौ सदा बिहारीलाल। बिहारी ।मन मैं खुभना।पसन्द आना।अच्छा लगना।रूचना।भाना।उ०- गुर कै मैला जिव डरै काया छीजन हारा।कुमति कमाई मन बसै लागु जुवा की लार। कबीर ।

मन मैं बसाना
चित्त मैं इस प्रकार जमाना कि बराबर ध्यान मैं रहै। हृदय मैं अंकित कर लेना।उ०- व्यासदेव जब शुकहि सुनायौ।सुनि कै शुक सौ हृदय बसायौ। सूर ।

मन मैं भरना
हृदयंगम करना।मन मैं जमाना।

मन मैं मरोड़ करना
मन मैं दुराव या कपट रखना।कपट करना।उ०- साधू आवत देखि कै मन करत मरोर।सो होवैगा चूहड़ा बसै गांव की ओर। कबीर ।

मन मैं मैला आना
(किसी के विषय मैं) मन मैं बुराई,दुर्भाव पैदा होना।

मन मैं मैल रखना
मन मैं किसी प्रकार का दुर्भाव या वैमनस्य आदि रखना।

मन मैं रखना
गुप्त रखना।प्रकट न करना।स्मरण रखना।

मन मैं लाना
विचार करना।सोचना।ध्यान देना।उ०- कहै पद्माकर फकीर फिल्ली शोरन को मोरन को मस्त न कौऊ मन ल्यावतो। पद्माकर ।

मन मैला करना — मन मैं खिन्न होना।अप्रसन्न या असन्तुष्ट होना।उ०- (क) माइ मिले मन का करिहौ मुंह ही के मिले तें किये मन मैले। केशव । (ख) परसत मन मैला करै। । रहीम ।

मन मैला होना — किसी के बारे मैं विचार का खराब हो जाना, खिन्न होना।

मन मोटा करना — मन मैं खिन्न होना।अप्रसन्न या असन्तुष्ट होना।

मन मोटा होना — विराग होना।उदासीन होना।

मन मोड़ना — प्रवृत्ति या विचार को दूसरी ओर लाना।

मन मोहना — किसी के मन को अपनी ओर आकृष्ट करना।मन लुभाना।अनुरक्त करना।उ०- जग जदपि दिगंबर पुष्पवती नर निरखि मन मोहै। केशव ।

मन रखना — इच्छा पूर्ण करना।किसी के मन मैं आई हुई बात पूरी करना।

मन लगना — जी लगना।तबीयत आना।चित्त विनोद होना।उ०- बिरहागि ह्वै दुगुनी जगै।मन बाग देखत ना लगै। । गुमान ।

मन लगाना — चित्त लगाना।मनोयोग देना।चित्त विनोद करना।मन की उदासी मिटाना।प्रेम करना।अनुराग करना।

मन ललचाना — मन मोहित करना।मुग्ध करना।लुभाना।उ०- गली मैं आय,तान मोहिनी सुनाय,मेरो मन ललचाय मयूयो कानन मैं रस है।

मन लाना — मन लगाना।जी लगाना।उ०-(क) गगन मंडल मां मा उजियारा उलटा फेर लगाया।कहै कबीर जन भये विवेकी जिन यंत्री मन लाया। कबीर ।(ख) छमिहहिं सज्जन मोर ढिठाई।सुनिहहिं बाल-वचन मन लाई। तुलसी ।प्रेम करना।आसक्त होना।उ०- पवन सांस तोसौं मन लाई।जोवै मारग दृष्टि बिछाई। जायसी

मन से उतरना — मन मैं आदर-भाव न रह जाना। तिरस्कृत होना। घृणित ठहरना। याद न रहना। विस्मृत होना।

मन से उतारना — मन मैं पहले का सा आदर भाव न रखना। तिरस्कार करना। घृणा करना। चित्त से उतारना। विस्मृत करना। भुलाना।

मन हरना — मुग्ध करना। मोहित करना। मोह लेना। उ०- वह देखौ युवति वृंद मैं ठाढ़ी नील बसन तनु गोरी। सूरदास मेरौ मन वाकी चितवन देखि हरेउ री। सूरदास। मन खींचना। मन आकर्षित करना। लुभाना। उ०- हरि दिखराय मोहनी मूरति मन कै हरि लियौ हमारौ। । सूर ।

मन हरा होना — प्रसन्न होना। चित्त प्रसन्न होना।

मन ही मन — हृदय मैं। चुपचाप। बिना कुछ कहे हुए। भीतर ही भीतर। उ०-(क) ललिता मुख चितवत मुसुकानी। आप हंसी पिय मुख अवलोकत दुहुनि मनहिं मन जानी। सूरदास।(ख) मन ही मन मनाय अकुलानी। रामा०।

मन होना — इच्छा होना। उ०- उमगत अनुराग सभा कैं सराहै भाग देखि दसा जनक की कहिबे कौ मनु भयौ। तुलसी।

मनसा फलना — इच्छा पूर्ण या सफल होना।

मनसायन करना — बातचीत आदि के द्वारा इस प्रकारर किसी का मन बहलाना जिसमैं उसे अकेले होने का कष्ट न जान पड़े।

मनसूबा बांधना — युक्ति निकालना। ढंग सोचना।

मनुहार करना — विनती करना। खुशामद करना। मनाना। उ०-(क) तुम्हारे हेतु हरि लियौ अवतार। अब तुम जाइ करौ मनुहार। सूर।(ख) दुसह रोष मूरति भृगुपति अति नृपति निकर षयकारी। क्यौ सौंपेउ सारंग हारि हिय करिहैं बहु मनुहारी। तुलसी।

मन्नत उतारना — मन्नत पूरी करना।

मन्नत चढ़ाना — मन्नत पूरी करना।

मन्नत मानना	मनौती मानना।
मयस्सर होना	मिलना। प्राप्त होना।
मरकर जीना	मरते-मरते बचना।
मर-खप जाना	मरकर नष्ट हो जाना।
मर-पचना	अत्यन्त कष्ट सहना। जान तोड़कर मेहनत, कोशिश करना। अति श्रम करना।
मर मिटना	श्रम करते करते विनष्ट हो जाना। प्रयत्न करते करते बहुत बुरी दशा मे पहुंचना। उ०- इसी तमन्ना मे मर मिटे हम। मरकर मिट जाना। जान दे देना। तबाह हो जाना।
मर लेना	प्रयत्न करते करते मरने का सा कष्ट भोग चुकना।
मरते को मारना	दुखिया को और सताना।
मरना जीना	जीवन-मरण। जीवन-मरण का चक्र। शादी-गमी।
मरने की छुट्टी न मिलना	बिलकुल छुट्टी न मिलना। अवकाश का अभाव होना। दिन रात कार्य मे फंसा रहना।
मरने तक की फुरसत न होना	दम मारने को फुरसत न मिलना। काम की भारी भीड़ मे होना।
मरहमत करना	देना। प्रदान करना।
मरहमत फरमाना	देना। प्रदान करना।
मरा जाना	बहुत व्याकुल होना। व्यग्र होना। उत्सुक होना। उतावली करना।
मरातिब तै करना	किसी विषय के सारे झगड़ो का निपटारा करना।
मरू करि	कठिनाई से। ज्यो त्यो करके। बहुत मुश्किल से। उ०- ता कहं तो अब लौ बहराइ के राखी बसाइ मरू करि मै है। केसव।

मरूरा देना	बल देना। मरोड़ना। उमैठना। उ०- मुख के पवन परस्पर सुखवत गहे पानि पिय छूरी। बुझति जानि मन्मथ चिनगी फिरि मानो दियो मरूरो। सूर।
मरोड़ की बात	पेचदार बात। घुमाव फिराव की बात।
मरोड़ खाना	चक्कर खाना। उ०- न्हाय बसन पहिरन लगी बस न चल्यो चित दौर। खाय मरोर खड़े गिर्यो गड़े कड़े कुच कोर। रामसहाय। उलझन मे पड़ना।
मरोड़ गहना	क्रोध करना। उ०- रह्यो मोह मिलना रह्यो यो कहि गहै मरोर। उत दै सखिहि उराहनो इत चितई मो ओर। बिहारी।
मरोड़ी करना।	खींचातानी करना। इधर उधर करना। उ०- नख सिख लौ चित चोर सकल अंग चीन्हे पर करत कत मरोरी। एक सुनि सूर हर्यो मेरो सरबस अरु उलटी डोली संग डोरी। सूर।
मर्द आदमी	भला आदमी। सभ्य पुरूष। वीर।
मर्यादा रखना	बरात का विवाह के तिसरे दिन ठहरकर मौज मे सम्मिलित होना।
मलार की सूझना	मौज उड़ाने या विनोद की बात सूझना।
मलार गाना	बहुत प्रसन्न होकर कुछ कहना। विशेषत: गाना।
मलाल आना	किसी की ओर से चित्त खिन्न हो जाना। मन मे मैल आ जाना।
मलाल निकालना	मन मे दबा हुआ दु:ख कुछ बक झककर दूर करना।
मलोले आना	दु:ख होना। पछतावा होना। पश्चाताप होना।
मलोले खाना	मानसिक व्यथा सहना। दु:ख स उठाना।
मवास करना	बसेरा करना। निवास करना। उ०-(क) कहै पद्माकर कालिंदी के कदंबन पै, मधुपन कीन्हो आइ महत मवासो है। पद्माकर। (ख) निडर तहांई मधु करत मवासो है। सरस।

मवासी तोड़ना	गढ़ तोड़ना। विजय करना। संग्राम जीतना। उ०- कबदँ मवासी तोरी। कब सुकदेव तोपची जोरी। कबीर।
मशाल लेकर ढूंढना	अच्छी तरह ढूंढना। सावधानी से ढूंढना।
मशीख़त बघारना	बढ़ बढ़कर बातें करना। शेखी बघारना।
मष्ट करना	चुप होना। चुप करना। मुंह न खोलना। उ०-(क) बोलत लखनहि जनक डेराहीं। मष्ट करहु अनुचित भल नाहीं। तुलसी। (ख) ग्वालिनी श्याम तनु देख री आयु तन देखिये। मीत जब होइ तब चित्र अवरेखिये। कहां मेरो कान्ह की तनक सी आंगुरी बड़े बड़े नखनि के चिन्ह तेरे। मष्ट कर हंसै गरे लोगु अंकवार भुज कहां पाये तै श्याम मेरे। सूर। (ग) बूझेउ सचिव उचित मत कहहू। ते सब हंसे मष्ट करि रहहू। तुलसी।
मष्ट धारना	मौन धारण करना। चुप्पी साधना। उ०- सुन्यो वसुदेव दोउ नंदसुवन आये। तिया सों कहत कछु सुनत है री नारि, रातिहु सपन कछु ऐसो पाये। गए अक्रूर तेहि नृपति मांगे बोलि, तुरत आए आनि कंस मारे। कहो पिय कहत सुनिहै बात पौरिया, जाय कहिहै रहो मष्ट धारे। सूर।
मष्ट मारना	मौन धारण करना। चुपचाप रहना।
मसजिद में चिराग जलाना	मन्नत पूरी करने के लिए मसजिद के ताकों में दिये जलाना।
मसला हल होना	उलझन, कठिनाई का दूर हो जाना या उसका उपाय मिल पाना।
मसें भींजना	मूछों का निकलना। मूछों की रेखा दिखाई पड़ने लगना। उ०- उठत बैठत मस भींजत सलोने सुठि शोभा देखवैया बिनु बित ही बिकै हैं।
मसान जगाना	तंत्र शास्त्र के अनुसार श्मशान पर बैठकर शव की सिद्धि करना। शव साधन करना। उ०- कपट सयानि न कहति कछु जागति मनहु मसान। तुलसी।

मसान पड़ना	सन्नाटा हो जाना।
मसू करके	बहुत कठिनता से। बड़ी मुश्किल से। उ०-रसखानि तिहारी सौं एरी जसोमति मागि मसू करि छूटन पाई। रसखान।
मसौदा करना	युक्ति सोचना। सलाह करना।
मसौदा गांठना	कोई काम करने की युक्ति या उपाय सोचना। तरकीब निकालना। मजमून बनाना। मनसूबा बांधना।
मसौदा बांधना	कोई काम करने की युक्ति या उपाय सोचना। तरकीब निकालना।
मस्ती झड़ना	मस्ती दूर होना। मस्ती उतरना। अक्ल ठिकाने आना
मस्ती झाड़ना	मस्ती दूर कर देना। (नशा, गर्व) दूर कर देना।
मस्ती निकालना	प्रसंग करके वीर्यपात करना। संभोग करके वीर्य स्खलित करना।
मस्ती पर आना	मस्त होना।
महफिल जमना	जलसा लगना। जलसे का रंग जमना।
महर बख्शवाना	पति का कह-सुनकर पत्नी से महर माफ करवा लेना
महर बांधना	महर के लिए धन या सम्पत्ति नियत करना।
महशर बरपा होना	भारी उपद्रव मचना।
महसूस करना	अनुभव करना।
महसूस होना	अनुभव होना।
मह्याई आना	भय से कांपने लगना। बदहवास हो जाना।
महीन काम	वह काम जिसके करने में बहुत सावधानी और आंख गड़ाने की आवश्यकता पड़ती हो।
महीने से होना	स्त्रियों का रजस्वला होना। रजोधर्म से होना।
मांग उजड़ना	विधवा होना।

मांग कोख से सुखी रहना — स्त्रियों का सौभाग्यवती और सन्तानवती रहना। उ०- आनंद अवनि राज रानी सब मागहु कोखु जुड़ानी। तुलसी ।

मांग पट्टी करना — केश विन्यास करना। बालों में कंघी करना।

मांग पारना — केशों को दो ओर करके बीच में मांग निकालना।

मांग फारना — केशों को दो ओर करके बीच में मांग निकालना।

मांग बांधना — कंघा चोटी करना।

मांफ पड़ना — बीच पड़ना। अन्तर पड़ना। उ०- द्वादश बरष मांफ भयो तब ही पिता सेवा सावधान मन नीकी कर आनियै। प्रियादास ।

मांफा ढीला होना — कमजोरी मालूम होना।

मांफा बैठना — वर-कन्या का विवाह के दो तीन दिन पूर्व पीले कपड़े पहनकर एकान्तवास करने लगना।

मांफे का जोड़ा — हलदी की रस्म के बाद वर कन्या को पहनाये जाने वाले कपड़े।

मांद पड़ना — फीका पड़ना। बे आब होना।

माइँन में थापना — पितरों के समान आदर करना। उ०- जो लौं हौं जीवन भर जीवौं सदा नाम तुव जपिहौं। दधि ओदन दोना करि दैहौं अरू माइँन में थपिहौं। सूर ।

माख मानना — बुरा या बिलग मानना। उ०-(क) माखे लखन कुटिल भई भौंहैं। रामा० । (ख) माखि मानि बैठी ऐंठि लाडिली हमारी ताकौ। रत्नाकर ।

माचल मारना — जान-बूझकर अनजान बने रहना। मचला होना।

माल काटना — किसी के धन को अनुचित रूप से अधिकार में लेना। माल उड़ाना। चलती रेलगाड़ी या माल गोदाम आदि में से माल चुराना।

माट बिगड़ जाना — किसी के स्वभाव का ऐसा बिगड़ जाना कि उसका सुधार असम्भव हो।

माटी होना	नष्ट होना। निस्सार होना।
माता ठंढी करना	शीतला या चेचक के होने पर शीतला की अन्तिम पूजा करना।
मातम मनाना	शोक करना।
माथा कूटना	सिर पीटना।
माथा खपाना	अत्यधिक समझाना या सोचना। सिर खपाना। मगज पच्ची करना। मस्तिष्क से अत्यधिक या व्यर्थ काम लेना। हैरान होना।
माथा खाली करना	अत्यधिक समझाना या सोचना। सिर खपाना। मगज पच्ची करना। मस्तिष्क से अत्यधिक या व्यर्थ काम लेना। हैरान होना।
माथा घिसना	नम्रता प्रकट करना। अनुनय विनय करना। भूमि से सिर लगाकर प्रणाम करना।
(किसी के आगे) माथा झुकाना	अत्यधिक नम्रता या अधीनता प्रकट करना।
माथा टकराना	अत्यन्त अनुनय विनय करना। घोर प्रयत्न करना। सिर मारना। हैरान होना।
माथा टेकना	भूमि से सिर लगाकर प्रणाम करना। दण्डवत् करना।
माथा ठनकना	किसी अनिष्ट की आशं पहले से आशंका होना। किसी किसी बुरे लक्षण को देखकर चित्त मैं घोर आशंका उत्पन्न होना।
माथा धुनना	सिर पर हाथ मारकर अत्यधिक दु:ख या शोक करना।
माथा पच्ची करना	देर तक सोचना समझना। विशेष परिश्रम से समझना। सिर खपाना।
माथा मारना	सिर मारना। माथा पच्ची करना।
माथा रगड़ना	नम्रता प्रकट करना। खुशामद करना। भूमि से सिर लगाकर प्रणाम करना।

माथे चढ़ाना	शिरोधार्य करना। सादर स्वीकार करना।
माथे ठीका होना	(किसी बात का) किसी के नाम ठेका होना। खासतौर से किसी के जिम्मे होना।
माथे धरना	शिरोधार्य करना। सादर स्वीकार करना। उ०- मम आयुस तुम माथे धरौ। छल बल करि मम कारज करौ। । सूर ।
माथे पड़ना	उत्तरदायित्व आ पड़ना। ऊपर आ पड़ना।
माथे पर बल पड़ना	आकृति से क्रोध, दु:ख या असन्तोष आदि के चिन्ह प्रकट होना। शक्ल से नाराजगी जाहिर होना।
माथे भाग होना	भाग्यवान होना।
माथे मढ़ना	गले बांधना। गले मढ़ना। जबरदस्ती देना। सिर थोपना।
माथे मानना	शिरोधार्य करना। सादर स्वीकार करना। उ०-(क) कह रवि सुत मम कारज होई। माथे मानि करब हम सोई। सबलसिंह । (ख) ,, सूरदास प्रभु के जिय भावै आयुस माथे मानि। सूर ।
माथे मारना	बहुत ही उपेक्षा या तिरस्कारपूर्वक किसी को कुछ देना। बहुत तुच्छ भाव से देना।
मान मथना	मान भंग करना। गर्व चूर्ण करना। शेखी तोड़ना। उ०- इन जरासंध मदअंध मम मान मथ बांधि बिनु काज बल इहां आनै। सूर ।
मान मनाना	दूसरे का मान दूर करना। रूठे हुए को मनाना। उ०- घरी चारि परम सुजान पिय प्यारी रीझि, मान न मनावौ मानिनी को मान देखि रह्यौ। रघुनाथ।
मान मोरना	मान का त्याग करना। मान छोड़ देना। उ०- मुख को निहारी जो न मान्यो सो भली करी न केशौराय की सौं तोहिं जो तू मान मोरिहै। केशव ।
मान रखना	बात रखना। (किसी के) बड़प्पन का ख्याल करना। प्रतिष्ठा करना। उ०- कारी थोरे दाम की आवै बहुतै काम। खासा मलमल बाफता उन कर राखै मान। गिरिधर।

माफ करना — क्षमा करना। उ०-(क) प्रभु जु मैं रेसी अमल कमायी साबिक जमा हुती जो जोरी मीर्जा कुल तल आयी। ----- बड़ी तुम्हार बरामद हू को लिखि कीन्हो है साफ। सूरदास को वह मुहासिबा दस्तक कीजो माफ। सूर। (ख) खलनि को योग जहां नाश ही मै देखियतु माफ करिवेही माहं होतु कर नाशु है। । गुमान ।

617 **माफी चाहना** — क्षमा मांगना। माफ किये जाने के लिए प्रार्थना करना।

माफी मांगना — क्षमा मांगना। माफ किये जाने के लिए प्रार्थना करना।

मामला करना — बातचीत करना। बात पक्की करना। समझौता करना। फैसला करना।

मामला पटाना — सौदा करना।

मामला बनाना — काम ठीक करना। बात पक्की करना। सम्भोग करना। प्रसंग करना।

मामी पीना — दोषारोपण को ध्यान मे न लाना। अपने दोष पर ध्यान न देना। उ०- ऊधो हरि काहे के अंतर्यामी। अजहुं न आइ मिले यहि औसर अवधि बतावत लामी। कीन्ही प्रीति पुहुप संडा की अपने काज के कामी। तिनको कौन परेखा कीजे जे है गरूड़ के गामी। आई उघरि प्रीति कलई सी जैसे खाटी आमी। सूर इते पर खुनसनि मरियत ऊधो पीवत मामी। सूर। (ख) लाज कि और कहा कहि केशव जे सुनिये गुण ते सब ठाये। मामी पिये इनकी गेरी माइ को है हरि आठहू गांठ हठाये। केशव। मुकर जाना।

मारकंडेय की आयु होना — दीर्घजीवी होना। चिरायु होना।

मारका सर करना — युद्ध मे जय लाभ करना।

मारग मारना — रास्ते मे पथिक को लूट लेना। उ०- मारग मारि महीसुर मारि कुमारग कोटिक के धन लियो। तुलसी।

मारग लगना — रास्ता लेना। रास्ता लगना। चला जाना। उ०-(क) जोगी होहु तो जुफि सौ मानहु। भुगुति लेहु लै मारग लागहु। जायसी। (ख) खप्पर लिये वार मा मांगौ। भुगुति देहु लै मारग लागौ। जायसी। (ग) यह सुनि मुनि मारग लौ सुख पायौ नर देव। केशव।

613.

मारग लेना — रास्ते लगना। रास्ता लेना। चला जाना।

मारने उठना — मारने के लिए उद्यत होना।

मारते मारते भुर्ता निकालना — गहरी मार मारना।

मारा मारा फिरना — व्यर्थ घूमना। दर दर की ठोकरे खाना। दुर्दशाग्रस्त होकर इधर उधर भटकना। उ०- टुक हिर्स हवा को छोड़ मियां मत देस विदेस फिरे मारा। कज्जाक अजल का लूटे है दिन रात बजाकर नक्कारा। क्या बधिया भैसा बैल शुतर क्या गोनी पल्ला सर भारा। क्या गेहूं चावल मोठ मटर क्या आग धुआं और अंगारा। सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा। नजीर।

मारे शर्म के गड़ जाना — बहुत लज्जित होने के कारण मुंह न दिखा सकना। बहुत लज्जित होना।

मारे शर्म के पानी पानी होना — अत्यधिक लज्जित होने के कारण मुंह न दिखा सकना। अत्यधिक लज्जित होना।

माल उड़ाना — बहुत रूपया खर्च करना। धन का अपव्यय करना। किसी की सम्पत्ति को हड़प लेना। दूसरे का माल अनुचित रूप से ले लेना। सुस्वादु और बहुमूल्य भोजन करना।

माल काटना — दूसरे का पैसा हथियाना। नाजायज तौर से रूपया पैदा करना। चलती ट्रेन आदि से माल चुराना।

माल चाभना — अनेक प्रकार के स्वादिष्ट और पौष्टिक पदार्थ खाना बढ़िया बढ़िया चीजे खाना।

माल चीरना — पराया धन हड़पना। माल उड़ाना। माल मारना। अनुचित रूप से बहुत धन कमाना।

~~माल चीरना~~ — मस

माल न समझना	अस्तित्व न समझना। कुछ न गिनना।
माल मारना	अनुचित रूप से पराये धन पर अधिकार करना। दूसरे की सम्पत्ति दबा बैठना। अनुचित रूप से बहुत धन कमाना।
माला फेरना	जप करना। भजन करना। उ०-(क) कबिरा माला काठ की बहुत जतन का फेर। माला फेरो सांस की जामें गांठ न मेर। कबीर। (ख) माला फेरत जग मुआ फिरा न मन का फेर। कर का मन का डार के मन का मनका फेर। कबीर। बार बार नाम लेना। रट लगाना। धुन लगाना।
मावा निकालना	खूब पीटना। कचूमर निकालना।
माश मारना	उरद के दानों पर मंत्र पढ़कर किसी पर फेंकना। जादू करना।
माशा तोला होना	चित्त का स्थिर न होना, छन-छन में बदलना।
माह ताब देना	तोप के पलीते में आग देना।
माहुर की गांठ	भारी विषैली वस्तु। अत्यन्त दुष्ट या कुटिल मनुष्य।
मिजाज आना	अभिमान करना। घमंड होना।
मिजाज खराब होना	मन में किसी प्रकार की अप्रसन्नता आदि उत्पन्न होना। ग्लानि आदि होना। अस्वस्थ होना।
मिजाज खौलना	अत्यधिक क्रोध या आवेश आना।
मिजाज गरम होना	क्रोध आना। पागल होना।
मिजाज न मिलना	अभिमान के कारण किसी का अलग रहना। घमंड के कारण किसी से ठीक तरह बात न करना। इतराना।
मिजाज पहचानना	किसी के रुचि-स्वभाव को समझना।
मिजाज पाना	स्वभाव पहचान लेना। स्वभाव से परिचित होना। किसी को अनुकूल या प्रसन्न होना। देखना।

619.

मिजाज पूछना	तबीयत का हाल पूछना। कुशल प्रश्न करना।
मिजाज बिगड़ना	मन में किसी प्रकार की अप्रसन्नता आदि उत्पन्न होना। ग्लानि आदि होना। अस्वस्थता होना।
मिजाज बिगाड़ना	किसी के मन में क्रोध, अभिमान आदि मनोविकार उत्पन्न करना।
मिजाज में आना	ध्यान में आना। समझ में आना। दिल में आना।
मिजाज सातवें आसमान पर होना	घमंड बहुत बढ़ जाना। गर्व से पांव सीधे न पड़ना।
मिजाज सीधा होना	अनुकूल या प्रसन्न होना। तबीयत ठिकाने होना।
मिज़ाज होना	घमंड होना।
मिट्टी उठना	लाश, शव, जनाजा उठना।
मिट्टी करना	नष्ट करना। खराब करना। चौपट करना।
मिट्टी के मोल	बहुत सस्ता। बहुत ही थोड़े मूल्य पर।
मिट्टी खराब (ख्वार) होना	अन्त्येष्टि, क्रिया-कर्म ठिकाने से न होना।
मिट्टी छूये सोना होना	भाग्य का प्रबल होना। सितारा चमकना। साधारण काम में भी विशेष लाभ होना।
मिट्टी ठिकाने लगना	अन्त्येष्टि समुचित प्रकार से होना।
मिट्टी ठिकाने लगाना	समुचित प्रकार से (किसी की) अन्त्येष्टि करना।
मिट्टी डलवाना	चोरी गयी हुई वस्तु का पता लगाने के लिए लोगों से किसी स्थान पर मिट्टी डालने के लिए कहना।
मिट्टी डालना	दोष को छिपाना। दोष पर परदा डालना।

मिट्टी पकड़ना	जमीन पर दृढ़तापूर्वक जम जाना। जड़ पकड़ना। अच्छी तरह जम जाना।
मिट्टी पलीद करना	दुर्दशा करना। खराबी करना। बरबाद करना।
मिट्टी पलीद होना	दुर्दशा होना। ज़लील होना। क्रिया-कर्म ठिकाने से न होना।
मिट्टी में मिलना	नष्ट होना। चौपट होना। खराब होना। मरना।
मिट्टी में मिलाना	नष्ट करना। चौपट करना। बरबाद करना।
मिट्टी से मिट्टी मिलना	मुर्दे का दफन होना।
मिट्टी होना	नष्ट होना। खराब होना। मैला-कुचैला होना। बेकार होना।
मिठाई चढ़ाना	मन्नत पूरी होने पर किसी देवी-देवता को मिठाई अर्पित करना।
मिठाई बांटना	किसी सफलता या अभिष्ट-सिद्धि की खुशी में मिठाई बांटना।
मिति चढ़ना	तिथि लिखना। तिथि डालना।
मिति पूजना	आयु के दिन पूरा होना।
मिती काटना	ब्याज काटना।
मिती पूजना	हुंडी का नियत समय पूरा होना। हुंडी की अवधि पूरी होना।
मिनटों में	बात की बात में।
मियां की जूती मियां का सर	जिसकी चीज हो, उसी के विरुद्ध उसका प्रयोग।
(अपने मुंह) मियां मिट्ठू बनना	~~(अपने मुंह)~~ अपनी प्रशंसा आप करना।
मियां मिट्ठू बनाना	तोते की तरह रटाना। बिना समझाये पढ़ाना।
मियादी हुंडी	वह हुंडी जिसके रूपये की मिति के बाद देने का नियम हो।

मियान मै से निकल पड़ना	बहुत तेज स्वभाव का होना। बात बात पर लड़ने को तैयार होना।
मिल बांटकर खाना	सबको बांटकर, लाभ आदि मै दूसरो को सम्मिलित करके खाना या उपभोग करना।
मिल्लत का	जिसमै मिलनसारी हो। मिलनसार।
मिसरा लगाना	किसी एक मिसरे मै अपनी ओर से रचना करके दूसरा मिसरा जोड़ना।
मिसिल उठाना	पुस्तक के अलग अलग फार्मों को सीने के लिए पहले एक क्रम से लगाना (दफ्तरी)।
मिसिली चोर	बहुत बड़ा चोर या बदमाश जिसके अपराध न्यायालय की मिसिलों तक से प्रमाणित हों।
मिस्सी काजल करना	स्त्रियों का बनाव सिंगार करना। मिस्सी और काजल आदि लगाना।
मिहना मारना	ताना मारना। ठठोली करना।
मीआद काटना	कारागार का दण्ड भोगना। सजा भुगतना।
मीआद गुज़ारना	अवधि बीत जाना।
मीआद बोलना	कारावास का दण्ड देना। कैद की सजा सुनाना।
मीजा पटना	दो व्यक्तियों का परस्पर मेल जोल होना। स्वभाव मिलने के कारण मेल होना।
मीजा मिलना	स्वभाव मिलने के कारण मेल होना।
मीज़ान मिलना	जमा खर्च का मीजान बराबर होना।
मीठा होना	किसी प्रकार के लाभ या आनन्द आदि की प्राप्ति होना। अपने पक्ष मै कुछ भलाई होना।
मीठी छुरी चलाना	दोस्ती के परदे मै गला काटना।
मीठी बोली	मधुर वचन।

मीन की सनीचरी — मीन राशि पर शनि की स्थिति की दशा जिसका फल राजा और प्रजा दोनों का नाश माना जाता है। उ०- एक तो कराल कलिकाल सूल मूल ता मै कोढ़ मै की खाज सी सनीचरी है मीन की। तुलसी ।

मीन-मेष करना — किन्तु परन्तु या इधर उधर करना। आगा पीछा करना। संकल्प विकल्प करना। उ०- कियो अक्रूर भोजन दुहुन संग लै, नर नारी ब्रज लोग सबै देखे। मनो आए संग, देखि ऐसे रंग, मनहि मन परस्पर कर मैचै। सूर ।

मीन-मेख निकालना — दोष निकालना। छिद्रान्वेषण करना। उ०- काम विधि बाम की कला मै मीन मेख कहा। ऊ० श०।

मीन-मेख होना — गड़बड़ होना।

मीनाकारी छांटना — व्यर्थ का छिद्रान्वेषण करना। निरर्थक दोष निकालना। बाल की खाल निकालना।

मुंडकरी मारना — घुटनों मे सिर देकर, बहुत दुखी होकर बैठना।

मुंडो का — विधवा स्त्री के गर्भ से उसके वैधव्य काल मै उत्पन्न बालक।

मुंह अंधेरे — प्रभात के समय। तड़के।

मुंह आंसुओं से धोना — बहुत रोना।

मुंह आना — मुंह मै छाले पड़ना और चेहरा सूजना।

मुंह इतनासा निकल आना — चेहरा धंस जाना। बहुत दुबला हो जाना।

मुंह उजला होना — प्रतिष्ठा रह जाना। बात रह जाना। इज्जत न जाना।

मुंह उजाले — प्रभात के समय। बहुत सबेरे। तड़के।

मुंह उठना — किसी ओर चलने की प्रवृत्ति होना।

मुंह उठाकर कहना — बिना सोचे समझे कहना। जो मुंह मै आवे सो कहना।

मुंह उठाकर चलना — नीचे की ओर बिना देखे हुए, केवल ऊपर की ओर मुंह करके चलना। अंधाधुंध चलना।

मुंह उठाये चले जाना	बेधड़क चले जाना। बिना रुके हुए चले जाना।
मुंह उठे	प्रभात के समय। बहुत सवेरे। तड़के।
मुंह उतर जाना	दुखी या उदास होना।
मुंह उतरना	दुर्बलता के कारण सुस्त होना। चेहरे पर रौनक न रह जाना। विफलता, हानि या दुःख आदि के कारण उदास होना। विवर्णता होना।
मुंह औंधाकर पड़ना	दुःख, रोष या मान से अलग जाकर पड़ना।
मुंह औंधाकर लेटना	दुःख, रोष या मान से अलग जाकर पड़ना।
मुंह करना	मुलाहजा करना। ख्याल करना। सामना करना। मिलाना। आक्रमण करना। फोड़े का फूटना।
(किसी ओर को) मुंह करना	किसी ओर जाने का विचार करना।
मुंह का कच्चा	(घोड़ा) जो लगाम का झटका न सह सके। जिसकी बात का कोई विश्वास न हो, झूठा। जो किसी बात को गुप्त न रख सकता हो। हर एक बात सबसे कह देनेवाला
मुंह का कड़ा	लगाम का अंकुश न माननेवाला (घोड़ा)। कड़ा। तेज। उद्दण्डतापूर्वक बातें करनेवाला।
मुंह का कौर	बहुत आसान काम।
मुंह का कौर छीनना	देखते देखते किसी का वंश दबा बैठना। किसी की रोटी छीनना। मिलती हुई वस्तु से वंचित करना।
मुंह का कौर होना	आसान या सरल होना।
मुंह का निवाला	बहुत आसान काम।
मुंह का मीठा	मधुर और प्रिय बोलने, किन्तु अन्दर कपट रखनेवाला। चिकनी-चुपड़ी बातें करनेवाला।
मुंह का सस्त	मुंह जोरा लगाम का अंकुश न माननेवाला (घोड़ा)।
मुंह का सच्चा	बात का धनी। वादे का पक्का।

मुंह काला करना (अपना) व्यभिचार करना। मुंह में कालिख पोतना।

मुंह काला करना (दूसरे का) उपेक्षा से हटाना। त्यागना। व्यर्थ का झंझट दूर करना। कलंक का कारण होना। अपमान करना।

(किसी का) मुंह काला हो मुंह में कालिख लगे। नाश हो (शाप)।

मुंह काला होना कलंकित होना। बदनाम होना। दूर होना। नष्ट होना।

मुंह किलना मुंह का बन्द किया जाना। जबान बन्द हो जाना।

मुंह की खाना थप्पड़ खाना। अनादर किया जाना। दुर्दशा कराना। मुंह तोड़ उत्तर सुनना। लज्जित होना। धोखा खाना। चूक जाना। पराजित होना। हार जाना। किये का पूरा फल पाना।

मुंह की बात छीनना जो बात कोई दूसरा करना चाहता हो वही आप कह देना।

मुंह की मक्खी न उड़ा सकना अत्यधिक दुर्बल होना।

मुंह कील देना मंत्र-बल से जबान बंद कर देना। बोलने से रोकना। चुप करा देना। घूस से मुंह बंद कर देना।

मुंह कूंचना मारा-पीटना। मान ध्वंस करना। ध्वस्त करना।

मुंह के कौए उड़ जाना चेहरे पर हवाइयां उड़ने लगना। हवास गायब हो जाना।

मुंह के टुकड़े उड़ जाना पानी में अधिक चूना होने के कारण मुंह का कट जाना

मुंह के बल गिरना ठोकर खाना। धोखा खाना। बिना सोचे समझे किसी ओर प्रवृत्त होना। कोई वस्तु प्राप्त करने के लिए आतुर हो जाना।

मुंह के लच्छन फड़ना निर्लज्ज हो जाना।

मुंह के लायक होना (किसी को) स्थिति के अनुरूप होना।

मुंह खराब करना जबान का स्वाद बिगाड़ना। जबान से गंदी बातें कहना।

मुंह खुलना उद्दंडतापूर्वक बातें करने की आदत पड़ना। (फोड़े का) मुंह बड़ा हो जाना।

मुंह खुलवाना	बोलने को बाध्य करना। गुस्ताख बनाना।
मुंह खुश्क होना	गला,जबान का सूखना। मन में भय भर जाना। घबरा जाना।
मुंह खोलकर रह जाना	कुछ कहते कहते चुप हो जाना। सहमकर चुप रह जाना।
मुंह खोलना	कहना। बोलना। गालियां देना। खरब खराब बातें कहना। चेहरे पर से घूंघट आदि हटाना।
(किसी को)मुंह चढ़ाना	किसी को बहुत उद्दंड बनाना। बातें करने में धृष्ट करना। अपना पार्श्ववर्ती और प्रिय बनाना।
मुंह चढ़ाना	आकृति से असन्तोष या अप्रसन्नता प्रकट करना।
मुंह चपड़ा कर देना	कल्ले पर जोर का तमाचा लगाना।
मुंह चलना	भोजन होना। खाया जाना। मुंह से व्यर्थ की बातें या दुर्वचन निकलना।
मुंह चलाना	खाना। भोजन करना। बोलना। बकना। दुर्वचन कहना। घोड़े का काटना।
मुंह चाटना	खुशामद करना। ठकुर सुहाती कहना। लल्लो पत्तो करना। प्यार करना।
मुंह चिढ़ाना	किसी को चिढ़ाने के लिए उसकी आकृति,हाव-भाव या कथन की बहुत बिगाड़कर नकल करना। बिराना।
मुंह चूमकर छोड़ देना	लज्जित करके छोड़ देना।
मुंह चूम लेना	किसी की शक्ति,योग्यता का कायल हो जाना। अपने से बहुत बड़ा मान लेना।
मुंह छिपाना	लज्जा के मारे सामने न आना। लज्जित होना।
मुंह छुआना	नाम मात्र के लिए कहना। मन से नहीं,बल्कि ऊपर से कहना। दिखौआ बात करना।
मुंह छूना	नाम मात्र के लिए कहना। दिखाने के लिए ऊपरी मन से कहना। दिखौआ बात करना।

मुंह ज़हर हो जाना	मुंह का अत्यधिक कड़ुआ हो जाना।
मुंह जुठारना	नाम मात्र के लिए कुछ खाना।
मुंह झूंठा करना	नाम मात्र के लिए कुछ खाना।
मुंह जोड़ना	काना फूसी करना।
मुंह फटक जाना	रोग या दुर्बलता आदि के कारण चेहरा उतर जाना।
मुंह फुलसाना	मुंह में आग लगाना। मुंह फूंकना। दाह कर्म करना। कुछ दे लेकर दूर करना। हटाना।
मुंह टेढ़ा करना	मुंह फुलाना। अप्रसन्नता या असन्तोष प्रकट करना।
मुंह डालना	किसी पशु आदि का खाद्य पदार्थ पर मुंह चलाना। मुर्गों का लड़ना या आक्रमण करना। खाना।
मुंह ढाक कर रोना	मुंह पर आंचल या रूमाल रखकर रोना। अधिक विलाप करना।
मुंह ढांकना	किसी के मरने पर उसके लिए शोक करना या रोना (मुसलमानों के यहां)।
मुंह तक आना	जबान पर आना। कहा जाना। पूरी तरह से भर जाना। लबालब होना।
मुंह तक भरना	पूरी तरह से भर जाना। लबालब होना।
मुंह तक रह जाना	चकित होकर चुप हो जाना।
मुंह तकना	किसी से आस लगाये बैठे रहना। चकित, हतबुद्धि होकर किसी की ओर देखना।
मुंह तकने लगना	चकित होकर किसी का मुंह देखने लगना।
मुंह ताकना	किसी से आस लगाये बैठे रहना। टक लगाकर देखना। विवश होकर देखना। चकित होकर देखना। अकर्मण्य होकर चुपचाप बैठे रहना।
मुंह ताकने लगना	चकित होकर किसी का मुंह देखने लगना।

मुंह ताकते रह जाना	चकित होकर चुप हो जाना।
(अपना) मुंह तो देखो	पहले यह तो देखो कि इस योग्य हो या नहीं (व्यंग्य)।
मुंह तोड़	विरुद्ध या कड़ा उत्तर।
मुंह तोड़कर जवाब देना	ऐसा जवाब देना कि दूसरे को चुप ही रह जाना पड़े। करारा उत्तर देना।
मुंह तोड़ जवाब	निरुत्तर जवाब देना। ऐसा जवाब देना कि कोई बोल ही न सके।
मुंह थकना	अत्यधिक बोलने के कारण शिथिलता आना।
मुंह थकाना	अत्यधिक बोलकर अपने आपको शिथिल करना।
मुंह थुथाना	मुंह फुलाना। क्रोध या अप्रसन्नता प्रकट करना।
मुंह पर मुंह कहना	मुंह पर कहना। सामने कहना।
मुंह दिखाना	सामने आना।
(किसी का) मुंह देखकर	किसी का लिहाज करके। किसी को सन्तुष्ट या प्रसन्न करने के विचार से।
मुंह देखकर उठना	प्रातःकाल सोकर उठने के समय किसी पर दृष्टि पड़ना।
मुंह देखकर बात करना	किसी की इच्छा या खुशी का ख्याल करके व्यवहार करना। खुशामद करना। किसी के साथ उसकी योग्यता के अनुसार बात करना। पक्षपात करना।
मुंह देखकर बात कहना	खुशामद करना। किसी के साथ उसकी योग्यता के अनुसार बात करना।
मुंह देखना	सामना करना। किसी के सामने जाना। किसी के साथ साक्षात्कार करना। चकित होकर देखना। दर्पण में अपना प्रतिबिम्ब देखना।
मुंह देखने का	जो हार्दिक न हो, केवल ऊपरी दिखावा हो। जो केवल सामना होने पर हो।

मुंह देखने लगना	चकित होकर किसी का मुंह देखने लगना।
मुंह देखी करना	किसी की इच्छा या खुशी का ख्याल रखकर व्यवहार करना। पक्षपात करना।
मुंह देखी बात	लिहाज, मुरौवत, चापलूसी की बात।
मुंह देखे की	ऊपरी, दिखाऊ (प्रीति, चाह)।
मुंह देना	किसी पशु आदि का किसी खाद्य पदार्थ पर मुंह डालना।
मुंह धो रखना	किसी पदार्थ की प्राप्ति की ओर से निराश हो जाना। आशा न रखना (व्यंग्य)।
मुंह धो रखो	इस चीज की आशा न करो, अपना मुंह देखो।
मुंह न देखना	किसी से अत्यधिक घृणा करना। किसी से देखा देखी तक न करना। न मिलना जुलना।
मुंह न फेरना	दृढ़तापूर्वक सामने ठहरे रहना। पीछे न हटना। विमुख न होना। अस्वीकार न करना।
मुंह न मोड़ना	दृढ़तापूर्वक सामने ठहरे रहना। पीछे न हटना। विमुख न होना। अस्वीकार न करना।
मुंह निकल आना	रोग या दुर्बलता आदि के कारण चेहरे का तेज जाता रहना। चेहरा उतर जाना।
मुंह पकड़ना	बोलने से रोकना। बोलने न देना।
मुंह पड़ना	साहस होना। हिम्मत होना।
मुंह पर	सामने। प्रत्यक्ष। चेहरे पर। जबान पर।
मुंह पर खिलना	चेहरा पीला पड़ जाना। उदास या भयभीत हो जाना।
मुंह पर चढ़ना	लड़ने या प्रतियोगिता करने के लिए सामने आना। मुकाबिला करना।
मुंह पर जाना	मुरौवत करना। लिहाज करना।

मुंह पर ठीकरी रख लेना	बेमुरौवत हो जाना।
मुंह पर ताला ला जाना	जबान बंद हो जाना। चुप्पी साध लेना।
मुंह पर ताला लगाना	बोलना रोकना।
मुंह पर न थूकना	अति हेय समझना, उसकी ओर देखना तक नहीं।
मुंह पर थूकना	अत्यधिक अप्रतिष्ठित या लज्जित करना। अपमानित करना।
मुंह पर न रखना	तनिक भी स्वाद न लेना। जरा भी न खाना।
मुंह पर नाक न होना	शर्म न होना। लज्जा न होना। निर्लज्ज होना।
मुंह पर पानी फिर जाना	चेहरे पर तेज आना। प्रसन्नवद न होना।
मुंह पर फेंक देना	बहुत अप्रसन्न होकर किसी को कोई चीज देना या लौटा देना।
मुंह पर फेंक मारना	बहुत अप्रसन्न होकर किसी को कोई चीज देना या लौटा देना।
मुंह पर बरसना	आकृति से प्रकट होना। चेहरे से जाहिर होना।
मुंह पर बात आना	कुछ कहने को जी चाहना। कुछ कहना।
मुंह पर महताब छूटना	चेहरा पीला हो जाना। चेहरे पर हवाइयां उड़ना।
मुंह पर मुरदनी छाना	मृत्यु के चिन्ह प्रकट होना। अन्तिम समय समीप आना। चेहरा पीला पड़ना। भयभीत, लज्जित या उदास होना।
मुंह पर मुहर करना	बोलने से रोकना। कहने न देना। चुप कराना।
मुंह पर मुहर लगाना	चुप्पी साध लेना। एक शब्द भी न कहना।
मुंह पर रखना	किसी के सामने ही कोई बात कह देना। पूरा पूरा उत्तर देना। चखना। खाना।
मुंह पर लाना	कहना। वर्णन करना।
मुंह पर शफ़क फूलना	प्रसन्नता से चेहरे पर लाली आ जाना।

मुंह पर हवाइयां उड़ना	भय, घबराहट या लज्जा आदि के कारण चेहरा पीला या सफेद पड़ जाना।
मुंह पर हवाई छूटना	भय या लज्जा आदि के कारण चेहरा पीला पड़ जाना।
मुंह पर हाथ रखना	बोलने से जबरदस्ती रोकना या मना करना।
मुंह पसारकर दौड़ना	कुछ पाने के लालच में बहुत उत्सुक होकर आगे बढ़ना।
मुंह पसारना	मुंह फैलाना। (कुछ) पाने के लिए आगे बढ़ना। अधिक दाम मांगना।
मुंह पाना	मनोनुकूल दिखाना। मर्जी या रुख पाना।
मुंह पीट लेना	अत्यधिक क्रोध या दुःख की अवस्था में दोनों हाथों से अपने मुंह पर आघात करना।
मुंह पेट चलना	के-दस्त दोनों होना। हैजा होना।
मुंह फक होना	चेहरे का रंग उड़ जाना। विवर्णता होना या भय या आशंका से चेहरा पीला पड़ जाना।
मुंह फटना	सर्दी, खुश्की के कारण ओठों, कपोलों की त्वचा सूखकर फटना।
मुंह फाड़कर कहना	बेहया बनकर जबान पर लाना। निर्लज्ज होकर कहना।
मुंह फिर जाना	मुंह का टेढ़ा, कुरूप या खराब हो जाना। लकवे का रोग हो जाना। सामना करने के योग्य न रह जाना। सामने से हट या भाग जाना।
मुंह फिरना	मुंह का टेढ़ा, कुरूप या खराब हो जाना। लकवे का रोग हो जाना। सामना करने के योग्य न रह जाना। सामने से हट या भाग जाना।
मुंह फुलाना	रूठना। असन्तोष या अप्रसन्नता प्रकट करना।
मुंह फूंकना	मुंह में आग लगाना। दाह कर्म करना। कुछ ले देकर दूर करना। हटाना।

मुंह फूलना	अप्रसन्नता या असन्तोष होना।
मुंह फेरना	परास्त करना। दबा लेना। किसी की ओर पीठ करना। उपेक्षा प्रकट करना। मन हटा लेना। विमुख होना। उदासीन होना।
मुंह फैलाना	मुंह फाड़ना या बोलना। अधिक लेने की इच्छा करना। अधिक दाम मांगना। अधिक लोभ करना।
मुंह फोड़कर कहना	बेहया बनकर जबान पर लाना। निर्लज्ज होकर कहना
मुंह बंद कर देना	बोलने न देना। निरुत्तर कर देना। घूस देकर अपने विरुद्ध कुछ करने, कहने से रोक देना।
मुंह बंद कर लेना	चुप हो जाना।
मुंह बंद करना	चुप कराना। बोलने से रोकना।
मुंह बंद रखना	बिलकुल चुप हो जाना। कुछ न बोलना।
मुंह बंद होना	चुप होना।
मुंह बन जाना	ऐसी आकृति होना जिससे असन्तोष या अप्रसन्नता प्रकट हो।
मुंह बनना	ऐसी आकृति होना जिससे असन्तोष या अप्रसन्नता प्रकट हो।
मुंह बनवाना	किसी कार्य अथवा प्राप्ति के योग्य अपनी आकृति बनवाना।
मुंह बनवा रखना	इस चीज की आशा न करो।
मुंह बनाना	ऐसी आकृति बनाना जिससे अप्रसन्नता या असन्तोष प्रकट हो। चिढ़ाना।
मुंह बांध देना	चुप करा देना। बोलने न देना।
मुंह बांधकर बैठना	चुपचाप बैठना। कुछ न बोलना।
मुंह बांधना	चुप करा देना। बोलने न देना।

मुंह बाना	मुंह फाड़ना या खोलना। जमाई लेना। अपनी हीनता सिद्ध होने पर भी हंस पड़ना। बुरी तरह से हंसना। अधिक लोभ करना। अधिक दाम मांगना।
मुंह बिगाड़ देना	मार पीटकर चेहरे की आकृति खराब कर देना। बहुत मारना।
मुंह बिगाड़ना	मुंह का स्वा मारकर चेहरा खराब कर देना। चेहरे से अप्रसन्नता प्रकट करना।
मुंह बुरा बनाना	असन्तोष या अप्रसन्नता प्रकट करना।
मुंह भर आना	मुंह में पानी भर आना। किसी चीज को लेने के लिए बहुत लालच होना। जी मचलाना।
मुंह भर के	मुंह तक। लबालब। जहां तक इच्छा हो। जितना जी चाहे। पूरी तरह से। भली भांति। भरपूर। यथेच्छ।
मुंह भर बोलना	अच्छी तरह बोलना।
मुंह भरना	रिश्वत देना। घूस देना। खिलाना। भोजन कराना। मुंह बंद करना। बोलने से रोकना।
मुंह मारना	खाने की चीज में मुंह लगाना। दांत लगाना। काटना। जल्दी जल्दी भोजन करना। किसी को बोलने से रोकना। चुप कराना। रिश्वत देना। बढ़कर होना।
मुंह मीठा करना	मिठाई, खाना, खिलाना। पुरस्कार या घूस आदि देकर प्रसन्न करना।
मुंह मीठा होना।	किसी से कुछ मिलना। प्राप्ति होना। लाभ होना। मंगनी होना।
मुंह मुलाहिजे का	जान पहचान का। वह परिचित। जिसके साथ शील का व्यवहार करना पड़ता हो।
मुंह में आग लगना	मरना। (शवदाह के समय मुर्दे के मुंह में आग लगाई जाती है)।
मुंह में आना	कहने को जी चाहना। जबान पर आना।

मुंह मै कालिख पुतना	अत्यधिक बदनामी होना।कलंक लगना।बदनामी और कलंक के कारण मुंह दिखाने लायक न रहना।
मुंह मै कालिख लगना	अत्यधिक बदनामी होना।कलंक लगना।बदनामी और कलंक के कारण मुंह दिखाने लायक न रहना।
मुंह मै खाक	मुंह मै खाक पड़े (अशुभ बात अपने या दूसरे के मुंह से निकलने पर कहते है)।
मुंह मै खून लगना	चसका पड़ना।चाट पड़ना।
मुंह मै गुड़ घी	तुम्हारा मुंह मीठा हो (किसी के कार्य का कोई हर्ष का समाचार सुनाने पर कहते है)।
मुंह मै घी शक्कर	तुम्हारा मुंह मीठा हो (किसी के कोई हर्ष का समाचार सुनाने पर कहते है)।
मुंह मै घुनघुनियां भर लेना	चुप्पी साध लेना।मूक बन जाना।
मुंह मै जबान न रखना	कहने की शक्ति या सामर्थ्य न होना।मूक गूंगा होना।बेजबान होना।
मुंह मै जबान रखना	कहने का सामर्थ्य होना।बोलने मै समर्थ होना।वाक्शक्ति रखना।
मुंह मै जबान होना	कहने का सामर्थ्य होना।बोलने मै समर्थ होना।वाक्शक्ति रखना।
मुंह मै जाना	खाया जाना।भक्ष्य बनना।
मुंह मै तिनका लेना	अत्यधिक दीन बनना।दांतो मै तिनका दबाना।
मुंह मै थूकना	अपमानित करना।
मुंह मै दांत न पेट मै आंत	अति वृद्ध होना।
मुंह मै पढ़ना	इतनी धीमी आवाज मै पढ़ना कि दूसरे को सुनाई न दे।
मुंह मै पड़ना	खाया जाना।खाने के काम आना।बात का मुंह से निकलना या कहा जाना।

मुंह मै पानी भर आना	राल टपकना। लालायित होना। ललचना। ईर्ष्या होना।
मुंह मै बात करना	इतने धीरे धीरे बोलना कि जल्दी औरों को सुनाई न दे।
मुंह मै बोलना	इतने धीरे धीरे बोलना कि जल्दी औरों को सुनाई न दे।
मुंह मै लगाम देना	समझ-बूझकर बातें कहना। कम और ठीक तरह से बोलना।
मुंह मै लगाम न होना	बोलने के समय सचेत न रहना। जो मुंह मै आवे सो कह देना। जबान पर अंकुश न होना, जो मन मै आवे बक देना।
मुंह लटकाना	मुंह फुलाना। मुखाकृति से रोष, अप्रसन्नता प्रकट करना।
मुंह मै लहू लगना	चसका पड़ना। चाट पड़ना।
मुंह मै लूका लगाना	मुंह जलाना। तिरस्कार करना। मुंह काला करना।
मुंह मोड़ना	मन किसी ओर से प्रवृत्ति हटा लेना। ध्यान न देना। इन्कार करना। अस्वीकृति करना। परास्त करना। हराना। आनाकानी करना। आगा पीछा करना। विमुख होना।
मुंह रखना	किसी का लिहाज करना। ध्यान रखना।
मुंह लगना	बड़ों के सामने बढ़ बढ़कर बातें करना। जवाब सवाल करना। किसी चीज का खाया जाना। चसका लगना। उलझना।
मुंह लगाना	सिर चढ़ाना। उद्दण्ड बनाना। चखना। ओठों से छुवाना।
मुंह लटकना	उदास या लज्जित होना।
मुंह लपेटकर रहना	दुःख या रोष मै मुंह ढककर पड़ रहना।
मुंह लाल करना	मुंह पर थप्पड़ मारकर उसे सुजा देना। पान तम्बाकू से आदर सत्कार करना।

मुंह लाल होना	मारे क्रोध के चेहरा तमतमाना। आकृति से अत्यधिक क्रोध प्रकट होना।
(अपना सा) मुंह लेकर रह जाना	लज्जित होकर चुप हो जाना। खिसियाकर रह जाना।
मुंह शक्कर से भर देना	(हर्ष समाचार सुनानेवाले का) मुंह मीठा करना।
मुंह सम्भालना	व्यर्थ बकने से जबान को रोकना। जबान मै लगाम देना। सोच समझकर बोलना।
मुंह सफेद होना	भय या लज्जा से चेहरे का रंग उड़ जाना। उदासी छा जाना।
मुंह सिकोड़ना	आकृति से अप्रसन्नता या असन्तोष प्रकट करना। नाक भौं सिकोड़ना।
मुंह सीना	मुंह से बात न निकालना। बिलकुल चुप रहना।
मुंह सुजाना	थप्पड़ मारकर मुंह लाल करना। आकृति से असन्तोष या अप्रसन्नता प्रकट करना।
मुंह सुर्ख होना	क्रोध के मारे चेहरा तमतमाना। गुस्से से चेहरा लाल होना।
मुंह सूखना	भय या लज्जा आदि से चेहरे का तेज जाता रहना। प्यास या रोग आदि के कारण गला शुष्क होना। गले और जबान मै कांटे पड़ना। मन मै भय भर जाना घबरा जाना।
मुंह से	जबानी, ऊपर से (कहना)।
मुंह से कुछ फूटना	कुछ कहना या बोलना।
मुंह से दूध की बू आना	बच्चा नादान या नासमझ होना। विशेष अनुभव और ज्ञान न होना।
मुंह से दूध टपकना	बच्चा, नादान या नासमझ होना। विशेष अनुभव और ज्ञान न होना।
मुंह से निकलना	कहा जाना।

मुंह से निकालना	कहना। उच्चारण करना।
मुंह से फूटना	कहना। बोलना। (व्यंग्य)।
मुंह से फूल झड़ना	मुंह से बहुत ही सुन्दर और प्रिय बातें निकलना। बातों में बहुत मिठास होना।
मुंह से बरसना	आकृति से प्रकट होना। चेहरे से जाहिर होना।
मुंह से बात छीनना	किसी के कहते कहते उसकी बात कह देना। किसी के मन की बात कह देना।
मुंह से बात न आना	मुंह से शब्द न निकलना।
मुंह से बात न निकालना	क्रोध या भय के मारे कुछ बोला न जाना। मुंह से शब्द न निकलना। बिलकुल चुप रहना।
मुंह से भाप न निकालना	भय आदि के कारण सन्न हो जाना। चूं तक न करना
मुंह से लार टपकना	कोई चीज प्राप्त करने के लिए अत्यन्त लालच होना मन में अति लोभ होना।
मुंह से लाल उगलना	मुंह से बहुत ही सुन्दर और प्रिय बातें निकलना।
मुंह स्याह होना	मुंह में कालिख लगना। अपमानित होना। दूर होना। नष्ट होना।
मुंह ही मुंह में	चुपके चुपके (-- कहना, बातें करना)।
मुअम्मा खुलना	रहस्य खुलना। भेद प्रकट होना। गुत्थी सुलझना।
मुअम्मा हल होना	रहस्य खुलना। भेद प्रकट होना। गुत्थी सुलझना।
मुकद्दर आजमाना	भाग्य की परीक्षा करना।
मुकद्दर चमकना	भाग्योदय होना।
मुकाबिले पर । में आना	विरोध या प्रतिद्वंद्विता करने अथवा लड़ने के लिए सामने आना। सामना करना।
मुक़ाम करना	ठहरना। उतरना।
मुक़ाम देना	किसी के मर जाने पर उसके घर मातमपुरसी करने जाना।

मुक़ाम बोलना	ठहरने, पड़ाव करने का आदेश देना।
मुकर्रर होना	स्वीकार करना।
मुक्का मारना	मुक्के से आघात करना।
मुक्का सा लगना	हार्दिक कष्ट पहुंचना।
मुख राता होना	लाभ या सफलता होना।
मुखातिब होना	किसी की ओर घूमकर उससे बातें करना। किसी की बात सुनने के लिए उसकी ओर प्रवृत्त होना।
मुग्धम रहना	चुप रहना। कुछ न बोलना। किसी का रहस्य प्रकट न होना। भेद न खुलना। परदा ढका रह जाना।
मुजम्मा लगाना	ऐसा काम करना जिससे कोई बात या काम रुक जाय। रोक या आड़ लगाना।
मुजम्मा लेना	आड़े हाथों लेना। खबर लेना। ठीक करना।
मुजरा करना	मिनहा करना। अदब से सलाम करना। वेश्या का बैठकर-बिना नाच का-गाना।
मुटाई चढ़ना	अत्यधिक लाभ होना।
मुटाई झड़ना	अभिमान चूर्ण होना। शेखी टूटना।
मुट्ठी गरम करना	हाथ में चुपके से रूपया धर देना। घूस देना।
मुट्ठी बंद होना	घर का भेद किसी को मालूम न होना। रहस्य प्रकट न होना।
मुट्ठी बंधी होना	घर का भेद किसी को मालूम न होना। रहस्य प्रकट न होना।
मुट्ठी में	कब्जे में। अधिकार में। उ०- नी कहा बिरहा करतो सखी होती कहूं जु पै मीचु मुठी में। पद्माकर।
मुट्ठी में आना	कब्जे, काबू में आना।
मुट्ठी में रखा होना	बहुत समीप होना। पास होना।

मुट्ठी मै हवा बंद करना	अनहोनी बात करने की कोशिश करना।
मुट्ठी मै होना	कब्जे, काबू मै होना।
मुद्दत काटना	थोक माल का मूल्य अवधि से पहले देने पर अवधि के बाकी दिनों का ब्याज काटना।
मुफ़्त मै	बिना मूल्य। नाहक। व्यर्थ। बिना मतलब।
मुफ़ीद पड़ना	लाभकारी, अनुकूल होना।
मुफ़ीद होना	लाभकारी, अनुकूल होना।
मुरंडा करना	गठरी सा बना देना। समेट कर लड्डू सा कर देना। भून डालना। बहुत मारना पीटना। मोह लेना। मुग्ध कर लेना।
मुरंडा होना	सूख कर कांटा हो जाना। मुग्ध होना। मोहित होना।
मुरगा बनाना	यंत्रणादण्ड का एक प्रकार।
मुरगी बिठाना	मुरगी को अंड़ पर बिठाना।
मुरदा उठना	मरना। जनाजा उठना (शाप)।
मुरदा उठाना	मृतक को जलाने या गाड़ने आदि के लिए ले जाना। अन्त्येष्टि क्रिया के लिए ले जाना।
मुरदा कर देना	मार डालना। अधमरा कर देना।
(किसी का) मुरदा निकले	मर जाय। जनाजा उठे (शाप)।
मुरदार खाना	मरे हुए जानवर का मांस खाना।
मुरदे की कब्र (गौर) पहचानना	दूसरे की चालाकी, छल-कपट को अच्छी तरह समझना। अति चतुर होना।
मुरदे की नींद सोना	बेखबर सोना। खर्राटे भरना।
मुरदे से शर्त बांधकर सोना	अत्यधिक सोना।
मुराद पाना	मनोरथ सिद्ध होना। कामना पूरी होना।

मुराद बर आना	अभिलाषा पूरी होना। मनोरथ सिद्ध होना।
मुराद मांगना	मनोरथ पूरा होने की प्रार्थना करना।
मुराद मानना	मन्नत मानना। मनौती करना।
मुरादों के दिन	युवावस्था। जवानी।
मुरौव्वत तोड़ना	रूखाई का व्यवहार करना। शील के विरुद्ध आचरण करना।
मुलतानी करना	छींट छापने के पहले कपड़े को मुलतानी मिट्टी में रंगना।
मुलायम करना	किसी का क्रोध शांत करना।
मुश्किल आसान होना	संकट कटना। कठिनाई दूर होना।
मुश्कें कसना	(अपराधी की) दोनों भुजाओं को पीठ की ओर करके बांधना (इससे आदमी बेबस हो जाता है)।
मुश्कें बांधना	(अपराधी की) दोनों भुजाओं को पीठ की ओर करके बांधना।
मुसलाधार मेह बरसना	देर तक जोरों की वर्षा होना।
मुसाफिर की गठरी	सरदी से सिकुड़ा हुआ आदमी।
मुहब्बत उबलना	प्रेम का आवेग होना।
मुहर करना	मुहर लगाना।
मुहर लगना	(आदेश आदि का) पक्का हो जाना। प्रामाणिकता की छाप लग जाना।
मुहर लगाना	पक्का कर देना। प्रामाणिकता की सनद देना।
मुहरा लेना	सामना करना। सामने होकर लड़ना।
मुहरे पर खड़ा करना	तोप आदि की मार के सामने खड़ा करना।
मुहर्रम की पैदाइश	मनहूस। सदा दुखी और चिन्तित रहनेवाला।

मुहर्रमी सूरत	रोनी सूरत। मनहूस सूरत।
मुहासबा तलब करना	हिसाब मांगना।
मुहिम सर करना	लड़ाई जीतना। कठिन काम करना।
मूंग की दाल खानेवाला	पुरूषार्थहीन। निर्बल। डरपोक।
मूँछ उखाड़ना	घमंड चूर करना।
मूंछ का बाल	जिसका किसी के यहां बहुत मान-जान, प्रभाव हो।
मूंछ नीची होना	लज्जित होना। घमंड टूट जाना। अप्रतिष्ठा होना।
मूंछें उखड़वाना	मूंछों के बाल चुनवा लेना। अपमानित करना। गर्व दूर करना।
मूंछें मरोड़ना	मूंछों के सिरों के बालों का मरोड़ना। अपनी बड़ाई करना।
मूंछें मुड़वाना	हार मान लेना। पुरूषत्व का दावा त्याग देना।
मूंछों का कूंडा	सैवय्यों की नमाज जो बेटे की मसें भीजने पर मुसलमान स्त्रियां खिलाती हैं।
मूंछों पर ताव देना	अभिमान से मूंछ मरोड़ना। वीरता की अकड़ दिखाना। अपनी बड़ाई करना।
मूंछों पर हाथ फेरना	अभिमान से मूंछ मरोड़ना। वीरता की अकड़ दिखान
मूंड़ चढ़ना	ढिठाई करना। सिर चढ़ना।
मूंड़ चढ़ाना	ढीठ करना। निडर कर देना। सिर चढ़ाना।
मूंड़ मारना	बहुत हैरान होना। बहुत कोशिश करना। उ०- मूंड़ मारि हिय हारि के हित हेरि हहारि अब चरन सरन तकि आयो। तुलसी।
मूंड़ मुड़ाना	सन्यासी होना। सन्यास लेना।
मूंड़ी काटे	स्त्रियों की बोलचाल में पुरूषों के लिए गाली।
मूंड़ी मरोड़ना	गला दबाकर मार डालना। धोखा देकर हानि पहुंचाना।

मूठ करना	तीतर, बटेर आदि को मुट्ठी मे लेकर लड़ाई के लिए तैयार करना।
मूठ चलाना	जादू करना। टोना मारना। तंत्र मंत्र का प्रयोग करना।
मूठ मारना	जादू करना। टोना मारना। तंत्र मंत्र का प्रयोग करना। उ०-(क) काहू देवननि मिलि मोटी मूठ मार दी। तुलसी । (ख) पीठि दिए हीं, नेकु मुरि कर घूंघट पट टारि। भरि गुलाल की मूठि सौं, गई मूठि सी मारि। बिहारी ।
मूठ लगाना	जादू का प्रभाव या फल होना।
मूत का दिया जलना	बड़ा ऐश्वर्य या प्रताप होना।
मूत देना	डर से घबरा जाना।
मूत निकल पड़ना	डर के मारे बुरी दशा हो जाना।
मूत मारना	मूत देना।
मूत से निकलकर गू मे पड़ना	और भी बुरी दशा मे जा पड़ना।
मूतना बंद करना	बहुत हैरान करना।
मूर्ति के समान	ठक। स्तब्ध। निश्चल।
मूल पूजना	व्यापार मे लगी हुई पूंजी या मूलधन निकल आना।
मूली गाजर समझना	अति तुच्छ समझना। नाचीज गिनना।
मूसलों ढोल बजाना	बहुत खुशी मनाना। अत्यन्त प्रसन्नता प्रकट करना।
मृत्यु शय्या पर पड़ा होना	सांघातिक रोग से पीड़ित या दो चार दिन का मेहमान होना।
मेख़ ठोकना	हाथ पैर मे कील ठोकने की सजा देना। बहुत कठोर दण्ड देना। हराना। दबा लेना।
मेख़ मारना	कील ठोकना। पांजी मारना। रुकावट डालना।
मेढ़क को भी जुकाम होना	छोटे मनुष्य का भी बड़ा काम करने का साहस या बराबरी करना।

मैदा कड़ा होना	आंतों की क्रिया इस प्रकार की होना कि जल्दी दस्त न हो।
मैदा साफ होना	मलशुद्धि होना।
मैल करना	घनिष्ट व्यवहार करना।अधिक परिचय और साथ करना।मैत्री करना।
मैल खाना	साथ का ठीक होना।संगति का उपयुक्त होना।पटरी बैठना।साथ निभना।दो चीजों का जोड़ ठीक बैठना। अनुकूलता होना।
मैल बिसारना	स्नेह या मैत्री का व्यवहार भूल जाना या छोड़ देना
मैल बैठना	साथ का ठीक होना।संगति का उपयुक्त होना।पटरी बैठना।साथ निभना।दो चीजों का जोड़ ठीक बैठना। अनुकूलता होना।
मैल मिलना	साथ का ठीक होना।संगति का उपयुक्त होना।पटरी बैठना।साथ निभना।दो चीजों का जोड़ ठीक बैठना।
मैला लगना	जमाव होना।भीड़ लगना।
(किसी वस्तु)मैं आना	ऊपर से ठीक बैठना।चपकना।ढीला या तंग न होना भीतर अटना।समाना।अन्तर्गत होना।अन्तर्भूत होना।
मैहदी बांधना	मैहदी की पत्तियां पीसकर लगाना।
मैहंदी रचना	मैहदी का अच्छा रंग आना।
मैहंदी रचाना	मैहदी लगाना।
मैह की आंख न खुलना	लगातार गहरी वर्षा होना।
मैहनत ठिकाने लगना	श्रम सफल होना।
मैहमानी करना	खूब गत बनाना।मारना पीटना।दण्ड देना।(व्यंग्य) उ०- नंदमहरि की कानि करति हौ ना तरु करति मैहमानी। सूर ।
मैदान करना	लड़ना।युद्ध करना।उ०- जेहि पर चढ़ि करि मैदाना।~~जीतहिं समर~~ वीर बलवाना। विश्राम। ।

मैदान छोड़ना	जाए छोड़ना। रणक्षेत्र से हट जाना।
मैदान जाना	शौच के लिए बस्ती के बाहर जाना।
मैदान जीतना	लड़ाई जीतना। विजय-लाभ करना।
मैदान बदना	लड़ने, बल-परीक्षा के लिए दिन, स्थान नियत करना।
मैदान मारना	प्रतियोगिता में जीतना। विजय प्राप्ति करना। लड़ाई जीतना।
मैदान में आना	मुकाबले पर आना। प्रतियोगिता या प्रतिद्वंद्विता के लिए सामने आना।
मैदान में उतरना	कुश्ती के लिए अखाड़े में आना। कार्यक्षेत्र में आना।
मैदान साफ कर देना	विघ्न बाधाओं को दूर कर देना। सबको मार भगाना।
मैदान साफ होना	मार्ग में कोई बाधा आदि न होना। (किसी का) अकेला होना।
मैदान हाथ रहना	लड़ाई जीतना।
मैदान होना	युद्ध होना।
मैल काटना	मैल दूर करना।
मोटा खाना	सस्ता, घटिया अन्न-वस्त्र खाना-पहनना।
मोटा झोटा	घटिया। खराब।
मोटा दिखाई देना	आंख की ज्योति में कमी होना। कम दिखाई पड़ना।
मोटा पहनना	सस्ता, घटिया या अन्न-वस्त्र खाना-पहनना।
मोटा भाग्य	सौभाग्य। उ०-(क) सहज संतोष ही पाइए दादू मोटे भाग। दादू। (ख) सूरदास प्रभु मुदित जसोदा भाग बड़े करमन की मोटी। सूर।
मोटाई उतरना	शेखी किरकिरी होना। दुस्साहस होना। पाजीपन छूटना।
मोटाई चढ़ना	घमंडी या बदमाश हो जाना।

मोटाई फड़ना	घमंड या शरारत दूर होना।
मोटी चुनाई	बिना गढ़े हुए बेडौल पत्थर की जोड़ाई।
मोटी भूल	भद्दी या भारी भूल।
मोटी बात	साधारण बात। मामूली बात।
मोटे तौर पर	बहुत सूक्ष्म विचार के अनुसार नहीं। स्थूल रूप से।
मोटे हिसाब से	अन्दाज से। अटकल से। बिलकुल ठीक ठीक नहीं।
मोतियों से मांग भरना	मांग में मोती पिरोना।
मोतियों से मुँह भरना	बहुत अधिक धन या सामग्री देना।
मोती उगलना	मुंह से सुन्दर, मधुर शब्दावली निकालना।
मोती गरजना	मोती में बल पड़ जाना। मोती चटकना या कड़क जाना।
मोती ठंढा होना	मोती का टूट जाना या बेआब हो जाना।
मोती ढलकना	रोना। व्यंग्य।
मोती धूल में कोलना	सुन्दर, बहुमूल्य वस्तु की बेकदरी होना।
मोती पिरोना	बहुत ही सुन्दर और प्रिय भाषण करना। बहुत ही सुन्दर और स्पष्ट अक्षर लिखना। रोना (व्यंग्य)। कोई बारीक काम करना। मोतियों की लड़ी बनाना।
मोती बींधना	मोती को पिरोये जाने के योग्य बनाने के लिए उसके बीच में छेद करना। कुमारी का कौमार्य भंग करना।
मोती रोलना	बिना परिश्रम के धन कमाना या प्राप्त करना। मोती बटोरना।
मोम करना	द्रवीभूत कर लेना। दयार्द्र कर लेना।
मोम बनाना	द्रवीभूत कर लेना। दयार्द्र कर लेना।
मोम होना	दयार्द्र होना। कठोरता छोड़ देना। नरम होना।
मोमियाई निकालना	कठिन परिश्रम लेना। खूब मारना।

मोरचा खाना	मोरचा लगने से खराब होना।
मोरचा जीतना	शत्रु के मोरचे पर अधिकार कर लेना। विजय प्राप्त करना।
मोरचा बांधना	मोरचाबंदी करना।
मोरचा मारना	मोरचा जीतना। विजय प्राप्त करना।
मोरचा लेना	युद्ध करना। द्वंद्व या प्रतियोगिता में सामने आना। मोरचा जीतना।
मोरचाबंदी करना	गढ़ के चारों ओर यथास्थान सेना नियुक्त करना।
मोरी छूटना	दस्त आना। पेट चलना।
मोल करना	उचित से अधिक मूल्य मांगना। चीज के दाम ते करना।
मोल बढ़ाना	दाम बढ़ाना।
मोल लेना	मनुष्य को धन देकर खरीदना, दास बनाना।
मोहड़ा मारना	किसी काम को सबसे पहले कर डालना।
मोहड़ा लगाना	अन्न से भरे हुए बोरे को दुकान पर रखकर उसका मुंह खोल देना।
मोहनी डालना	~~ऐसा प्रभाव डालना कि कोई एकदम मोहित हो जाय~~ माया के वश करना। जादू करना। उ०- नागरि मन गई अरुझाइ। अति बिरह तनु भई व्याकुल न नेकु सुहाइ। श्याम सुन्दर मनमोहन मोहनी सी लाइ। मातु पितु को त्रास मानत मन बिना भइ बाइ। जननि सों दोहनि मांगति वेगि दै री माइ। सूर प्रभु को खोरि निकिसौ गए मोहिं बुलाइ। सूर।
मोहनी लगना	~~जादू लगने के कारण मोहित होना।~~ लुभाना। उ०- आजु गई हौं नंद भवन में कहा कहौं गृह चैनु री। (चेनु) बहु वंग चतुरंग दल मो कौटिक दुहियत धेनु री। ---- खोलि लई नव बधू जानि कै खेलत जहां कंधाई री। मुख देखत मोहिनी सी लागत रूप न बरन्यो जाइ री है। सूर।

मोहरा लेना	सामना करना। भिड़ जाना। प्रतिद्वंद्विता करना।
मौका तकना	दांव में रहना। उपयुक्त अवसर की ताक में रहना।
मौका देखना	दांव में रहना। उपयुक्त अवसर की ताक में रहना।
मौका देना	अवकाश देना। समय देना। अवसर देना।
मौका पाना	अवकाश पाना। फुरसत पाना। उपयुक्त समय या अवसर पाना। दांव पाना।
मौका मिलना	अवकाश मिलना। समय या अवसर मिलना। घात मिलना दांव पाना।
मौका हाथ लगना	अवकाश मिलना। समय या अवसर मिलना। घात मिलना दांव पाना।
मौज आना	उमंग में भरना। अचानक किसी काम के लिए उत्तेजना होना। धुन होना।
मौज उठना	मन में उमंग उठना।
मौज खाना	लहर मारना। हिलोरा लेना।
मौज पाना	इच्छा से अवगत होना। मरजी जानना।
मौज मारना	लहराना। बहना। सुख भोगना। ऐश करना। लहरें उठना।
मौज में आना	उमंग में भरना। अचानक किसी काम के लिए उत्तेजना होना। धुन होना। किसी को कुछ देने की इच्छा होना।
मौजूद रहना	उपस्थित रहना। सामने रहना। ठहरे रहना।
मौत आना	मरने को आना। शामत, आफत आना।
मौत का घर देख जाना	बार बार मृत्यु आने की आशंका होना।
मौत का घर देख लेना	बार बार मृत्यु आने की आशंका होना।
मौत का तमाचा	मृत्यु का स्मरण दिलानेवाला कार्य या घटना।
मौत का पसीना आना	आसन्न मरण होना। मरने के लक्षण दिखाई देना।

मौत का सिर पर खेलना — मौत करीब होना। मरने के दिन आना।

मौत के घाट उतारना — मार डालना।

मौत के दिन पूरे करना — किसी प्रकार आयु बिताना। कठिनता से कालक्षेप करना। कष्ट से दिन काटना।

मौत के मुंह मै — घोर संकट मै।

मौत के मुंह मै जाना — खतरे मै पड़ना। जान की जोखिम होना।

मौत बुलाना — ऐसा काम करना जिससे मृत्यु निश्चित हो।

मौत मांगना — कष्ट, कठिनाइयों से ऊबकर मौत मांगना।

मौत सिर पर खेलना — मरने को होना। दुर्दिन आने को होना। प्राण जाने का भय होना। जान जोखिम होना।

मौन खोलना — चुप रहने के उपरान्त बोलना। उ०- खिनक मौन बांध खिन खोला। गहैसि जीभ मुख जाइ न बोला। जायसी

मौन गहना — चुप रहना। चुप्पी साधना। (क) देखत ही जेहि मौन गही अरू मौन तजे कटु बोल उचारे। केशव। (ख) मौन गहौ मन मारे रहौ निज पीतम की कहौ कौन कहानी। (व्यंग्य)।

मौन ग्रहण करना — चुप होना। न बोलना। मौन होना।

मौन तजना — चुप्पी छोड़ना। बोलने लगना। उ०- देखत ही जेहि मौन गही अरू मौन तजे कटु बोल उचारे। जायसी।

मौन धारण करना — न बोलना। चुप होना। मौन होना। उ०- जहं बैठी वृषभानु नंदिनी तहं आये धरि मौना। पड़े पायं हरि चरण परसि कर छिन अपराध सलौना। सूर।

मौन बांधना — चुप्पी साधना। उ०- जो बोले सो मानिक मूंगा। नाहिं तो मौन बांधु होइ गूंगा। जायसी।

मौन लेना — मौन धारण करना। चुप होना। न बोलना।

मौन संभारना — मौन साधना। चुप होना।

मौन धारना — मौन धारण करना। चुप होना। न बोलना। उ०- जिय मैं न कोध करू जाहि अब कैहू ठौर नगर जरावै जिन साध्यो हम मौन है। हनुमान्नाटक ।

मौर बंधना — मौर निकलना। मंजरी लगना।

मौर बांधना — विवाह के समय सिर पर मौर पहनना। उ०- पावंरि तजहु देहु पग, पैरन बांक तुखार। बांध मौर औ छत्र सिर बेगि होहु असवार। जायसी ।

मौसर जाना — मिल सकना। उ०- समय की चूक हूक सालति प्रवीनन को मौसर न आवै बनै औसर जवाब को। बलबीर ।

म्यांव पकड़ना — अत्यधिक खतरे का काम करना।

म्यांव म्यांव करना — भयभीत होकर धीमी आवाज से बोलना। डर के मारे बोल बंद हो जाना। उ०- माधव जी सो अपराधी हौं। जनम पाइ कछु भलो न कीन्हो कहा सो क्यौं निबहौं। ---- हंसि बोले जगदीश जगत्पति बात तुम्हारी यौं। करूणासिंधु कृपालु कृपानिधि भजो शरण को क्यौं। बात सुने ते बहुत हंसौगे चरण कमल की सौं। मेरी देह छुटत जम पठयै जितक हुते घर मौं। ले ले सब हथियार आपुने सान धराये त्यौं। जिनके दारून दरस देखि के पतित करत म्यौं म्यौं। सूर ।